Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 07 September 2024

Dainik Jagran
Page - 01

दिव्यांजन कैंटीन का सीएम करेंगे उद्घाटन

जागरण संवाददाता, गोरखपुर: दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में एक ऐसी कैंटीन शुरू होने ज रही है, जिसे दिव्यांगजन चलाएंगे। दिव्यांगजन नाम की इस कैंटीन का उद्घाटन 14 सितंबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने इसे लेकर शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर में मुलाकात की और उनसे कैंटीन का उद्घाटन करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री से उन्हें तत्काल आश्वासन भी मिल गया।

मुख्यमंत्री 14 सितंबर को 'समरस समाज के निर्माण में नाथ पंथ का अवदान' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में हिस्सा लेंगे सीएम

गोरखपुर विश्वविद्यालय और हिंदुस्तानी अकादमी प्रयागराज की ओर आयोजित की जा रही है। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री योगी होंगे। 15 सितंबर को समापन सत्र में अतिथि के तौर पर साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. विश्वनाथ तिवारी को उपस्थिति रहेगी।

संगोष्ठी की अध्यक्षता कुलपति प्रो. पूनम टंडन करेंगी। कुलपति ने बताया कि संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में महायोगी श्रीगोरक्षनाथ शोधपीठ की ओर से तैयार की गई पत्रिका 'कुंडलिनी' का लोकार्पण भी मुख्यमंत्री के हाथों होगा। प्रो. टंडन ने बताया कि दिव्यांगजन कैंटीन का संचालन दिव्यांगजन ही करेंगे। इसके पीछे विश्वविद्यालय का मकसद उनके लिए रोजगार का अवसर उपलब्ध कराना है। संचालन के लिए दिव्यांगजन के चयन में सीआरसी की मदद ली जाएगी।

दिव्यांगजन कैंटीन ● जागरण

गोवि में 25-26 को सजेगा आइसीएचआर का मंच

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : आइसीएचआर(इंडियन काउंसिल आफ हिस्टोरिकल रिसर्च) दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के सहयोग से गोरखपुर विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी का मंच सजने जा रहा है। 25-26 सितंबर को आयोजित इस संगोष्ठी में आइसीएचआर के सभी महत्वपूर्ण पदाधिकारियों और इतिहास के विद्वानों की उपस्थिति रहेगी। रिवोल्यूशनरी मूवमेंट : द मिसिंग पेज आफ हिस्ट्री विषय पर आयोजित इस संगोष्ठी के जरिये स्वाधीनता संग्राम के उन तथ्यों को लोगों तक पहुंचाने की कोशिश की जाएगी, जो अभी तक इतिहास के पन्नों में जगह नहीं बना सके हैं।

इतिहास विभाग के अध्यक्ष प्रो. मनोज तिवारी ने बताया कि आइसीएचआर पहली बार कोई आयोजन गोरखपुर में खुद करने आ रहा है। ऐसा इतिहास विभाग के आचार्य और आइसीएचआर के सदस्य प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी के प्रयासों से ही संभव हो सका है। उन्होंने बताया कि संगोष्ठी के दौरान आइसीएचआर की ओर से एक प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी, जिसमें 1757 से लेकर 1947 तक के उन चित्रों और दस्तावेजों का प्रदर्शन किया जाएगा, जिनकी पहुंच फिलहाल पूर्वांचल के लोगों तक नहीं हो सकी है। उन्होंने बताया कि काउंसिल के अध्यक्ष पद्मश्री प्रो. रामवेंद्र तंवर, सदस्य सचिव डा. ओमजी उपाध्याय, निदेशक डा. गोवि में 25-26 को सजेगा आइसीएचआर का मंच गोरखपुर विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के सहयोग से हो रही राष्ट्रीय संगोष्ठी

राजेश की मौजूदगी संगोष्ठी के दौरान विशिष्ट रहेगी। अलग-अलग सत्रों में आइसीएचआर के सदस्य प्रो. वसंत शिंदे व पद्मश्री डा. केके मुहम्मद का व्याख्यान होगा। प्रो. तिवारी ने बताया कि इतिहास विभाग विश्वविद्यालय प्रशासन के सहयोग से इस विशिष्ट आयोजन की तैयारी में जोरशोर से लगा है। जल्द संगोष्ठी के दौरान आयोजित होने वाले अगल-अलग सत्रों और उनके वक्ताओं का निर्धारण भी कर लिया जाएगा।

रामन अनुसंधान संस्थान
बेंगलुरु - 560 080.

शुद्धिपत्र - विज्ञापन - 1/2024 - दिनांक 13-07-2024

शोफेसर II (वेतन स्तर 14) और शोफेसर I (वेतन स्तर 13A) पदों के लिए हमारे विज्ञापन संख्या 1/2024 दिनांक 13/07/2024 के संदर्भ में आवेदन जमा करने की नियत तिथि 13/11/2024 तक बढ़ा दी गई है।

ह/- प्रशासनिक अधिकारी

Amar Ujala
Page - 10

प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों को बताईं विभाग की उपलब्धियां

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। डीडीयू के राजनीति विज्ञान विभाग में शुक्रवार को एमए प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें प्रो. रजनीकांत पांडेय ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए राजनीति विज्ञान विभाग के गौरवशाली इतिहास को विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किया।

प्रो. गोपाल प्रसाद ने शिक्षा से जीवन मूल्यों को परिष्कृत करने और भावी जीवन के संघर्ष के लिए तैयार करने में विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख किया। प्रो. रुसीराम महानंदा ने विद्यार्थियों को व्यक्तित्व विकास की आवश्यकता तथा इसमें शिक्षा की भूमिका को रेखांकित किया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. राजेश कुमार सिंह ने विभाग के शिक्षकों के ज्ञान, मूल्य और सिद्धांतों के विषय में बताया। संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. महेंद्र कुमार सिंह ने किया। इस दौरान डॉ. अमित कुमार उपाध्याय, राहुल पासवान, डॉ. कंचन कुमारी, चंचल कुमारी, हिमांशु राय आदि मौजूद रहे।

दो दिवसीय शिखर सम्मेलन का समापन

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग में अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ एवं अमेरिकन केमिकल सोसाइटी (एसीएस) के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय शिखर सम्मेलन का शुक्रवार को समापन हो गया। सम्मेलन के दूसरे दिन इंपोर्टेंस ऑफ साइंटिफिक कम्युनिकेशन पर वक्ता राजेश, बेस्ट प्रैक्टिसेज फॉर रिसर्च इंटीग्रिटी पर डॉ. अजय झा, क्राफ्टिंग इफेक्टिव ग्रांट प्रोपोसल्स व मेकिंग इफेक्टिव ओरल प्रेसेंटेशन्स पर डॉ. कृष्णा राघव चतुर्वेदी ने विस्तार पूर्वक जानकारी साझा की। इस दौरान प्रो. दिनेश यादव, प्रो. उमेश यादव, प्रो. राजर्षि कुमार गौड़, डॉ. रामवंत गुप्ता आदि मौजूद रहे। संवाद

Hindustan
Page - 05

विवि के दिव्यांग छात्रों को उपकरण देगा सीआरसी

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। समेकित क्षेत्रीय निदान केन्द्र (सीआरसी) गोरखपुर विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले दिव्यांग छात्रों को एलिम्को कानपुर की मदद से सहायक उपकरण बांटने जा रहा है। इसके लिए शुक्रवार को स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन हुआ। यह आयोजन विश्वविद्यालय के संवाद भवन में किया गया। शिविर में लगभग 40 दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल, ट्राईसाईकिल, बैसाखी, व्हीलचेयर आदि उपकरण के लिए चिह्नित किया गया।

फार्मेसी, एमएस और बीसीए के लिए 8 तक करें आवेदन

गोरखपुर। डीडीयू में बीफार्म, डीफार्म, एमएस एआई, बीसीए (मशीन लर्निंग एंड डेटा साइंस) तथा बीसीए आईओटी में प्रवेश को आवेदन की तिथि 8 सितंबर तक कर दी गई है। एडमिशन सेल के निदेशक प्रो. हर्ष सिन्हा ने बताया कि प्रवेश के लिए पहले 5 सितंबर आवेदन की अंतिम तिथि थी।

271 नवीन कैडेट का हुआ नामांकन

गोरखपुर। डीडीयू में शुक्रवार को एनसीसी के नवीन कैडेट्स के नामांकन का आयोजन हुआ। प्रक्रिया की देखरेख 44वीं वाहिनी एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल रमन तिवारी और सूबेदार काशी राज लिम्बू ने की। 96 सीटों के लिए 271 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। शारीरिक परीक्षण और लिखित परीक्षा के बाद, अंतिम परिणाम 12 को घोषित किया जाएगा।

दो दिवसीय फैकल्टी समिट का समापन

गोरखपुर। डीडीयू में अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ एवं अमेरिकन केमिकल सोसाइटी के सहयोग से जैव प्रौद्योगिकी विभाग में आयोजित दो दिवसीय शिखर सम्मेलन का शुक्रवार को समापन हो गया। सम्मेलन के दूसरे दिन इंपोर्टेंस ऑफ साइंटिफिक कम्युनिकेशन पर वक्ता राजेश परिश्वद क्राफ्टिंग इफेक्टिव ग्रांट प्रोपोसल्स व मेकिंग इफेक्टिव ओरल पर डॉ. कृष्णा राघव ने जानकारी दी।

संवाद समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण : प्रो. राजवंत राव

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए ह्रादीक्षारंभ कार्यक्रमह्न आयोजित किया।

मुख्य अतिथि प्रो. राजवंत राव ने दीप प्रज्वलन और स्वागत गीत से कार्यक्रम की शुरुआत की। अपने संबोधन में, प्रो. राव ने कहा कि शिक्षा मनुष्यता में वृद्धि करती है और संवाद समाज के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने समाजशास्त्र और प्राचीन इतिहास के संबंध को स्पष्ट किया और विभाग की पाठ्येत्तर गतिविधियों की सराहना की। विभागाध्यक्ष प्रो. अनुराग द्विवेदी ने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की परंपरा में शामिल होने पर बधाई दी।

शोधकर्ताओं को विचारशील नेता बनाने पर मंथन

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : गोरखपुर विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग में गुरुवार से शुरू हुई दो दिवसीय लीडरशिप समिट शुक्रवार को संपन्न हो गई। विश्वविद्यालय के अनुसंधान व विकास प्रकोष्ठ और अमेरिकन केमिकल सोसाइटी के सहयोग आयोजित इस समिट में शोधकर्ताओं को विचारशील नेता के रूप में विकसित करने पर चर्चा हुई। साथ ही इसके लिए पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने में मदद करने के लिए एक स्थायी टीम बनाई गई। जिसमें विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग व गणित के विशेषज्ञों को शामिल किया गया। दूसरे दिन वैज्ञानिक संचार के महत्व पर वक्ता राजेश और एनाटमी आफ मैनुस्क्रिप्ट व बेस्ट प्रैक्टिसेज फार रिसर्च इंटीग्रिटी पर अजय झा ने विचार साझा किए। क्राफ्टिंग इफेक्टिव ग्रांट प्रोपोसल्स व मेकिंग इफेक्टिव ओरल प्रेसेंटेशन्स पर वक्ता डा. कृष्णा राघव चतुर्वेदी ने अपनी बात विस्तार से रखी। समिट का संयोजन प्रो. दिनेश यादव और सह-संयोजन प्रो. उमेश यादव ने किया। आयोजक सचिव की भूमिका वायोटेक्नालाजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. राजर्षि गौड़ व इंटरनेशनल सेल के निदेशक डा. रामवंत गुप्ता ने निभाई। नेपाल के 12 प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया।

मनुष्यता में वृद्धि करती है शिक्षा: प्रो. राजवंत राव

जाग. गोरखपुर: गोरखपुर विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र और राजनीति विज्ञान विभाग में शुक्रवार को दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि अभिज्ञता कला संकाय प्रो. राजवंत राव ने कहा कि विश्वविद्यालय में दीक्षारंभ की सुदृढ़ परम्परा रही है। दीक्षारम्भ के दौरान मिली जानकारी को अर्जन, बोध और आचरण में उतारा जाता है। उन्होंने कहा कि भारत में गुरू शिष्य की परंपरा चलती है। शिव महायोगी और महागुरु हैं। नाथ परंपरा में भी गुरू शिष्य की लम्बी परम्परा है। महायोगी गोरक्षनाथ इस परिक्षेत्र में संरक्षक देव हैं। समाजशास्त्र और प्राचीन इतिहास के संबंधों का उल्लेख करते हुए प्रो० राव ने कहा कि प्राचीन इतिहास अतीत के समाज का अध्ययन करता है तो समाजशास्त्र नवीन समाज का। इतिहास के अध्ययन में अनेक समाजशास्त्र के प्रतिमानों का उपयोग किया जाता है। इतिहास और समाजशास्त्र में गहरा आन्तरिक सम्बंध है। समाज के लिए सबसे महत्वपूर्ण है: संवाद। सामाजिक सम्बन्ध संवाद से बनते हैं।समाजशास्त्र विभाग की सराहना करते हुए मुख्य अतिथि प्रो० राव ने कहा कि समाजशास्त्र विभाग पाठ्येत्तर गतिविधियों को भी आयोजित करता रहता है,जिससे विद्यार्थियो का सर्वांगीण विकास होता है। विभाग के विद्यार्थी शिल्प से भी जुड़ें। स्वागत उद्बोधन देते हुए विभागाध्यक्ष प्रो० अनुराग द्विवेदी में गोरखपुर विश्वविद्यालय की समृद्ध परंपरा का हिस्सा बनने के लिए नवप्रवेशी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय ज्ञान के एक बड़ा केंद्र है। इसके माध्यम से पढ़ाई के साथ जीवन के सर्वांगीण विकास का का प्रयास किया जाना चाहिए। उन्होंने ह्याहुयेषां न विद्या न तपो न दानं, ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः। ते मृत्युलोके भुवि भारभूता,मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति।। श्लोक के माध्यम से विद्या,तप,ज्ञान,शील,गुण और धर्म के महत्व को भी समझाया। कार्यक्रम में एमए तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभवों को साझा किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ० मनीष कुमार पांडेय और धन्यवाद ज्ञापन दीपेंद्र मोहन सिंह ने किया। इस अवसर पर विभागीय शिक्षक प्रो०सुभी धुसिया, डॉ० पवन कुमार,प्रकाश प्रियदर्शी सहित बड़ी संख्या में शोधार्थी एवं नवप्रवेशी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

वीकाम (बैंकिंग एवं एंश्योरेन्स) में प्रवेश आज

गोरखपुर : गोरखपुर विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग में संचालित बीकाम (बैंकिंग एवं एंश्योरेंस) पाठ्यक्रम में प्रवेश शनिवार को विश्वविद्यालय के वाणिज्य भवन में होगा। प्रवेश समन्वयक डा. मनीष कुमार ने बताया कि प्रवेश के लिए सभी वर्गों के सभी अभ्यर्थियों को आमंत्रित किया गया है। प्रवेश सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे तक सीटों की उपलब्धता के मुताबिक मेरिट के वरीयताक्रम में लिया जाएगा।

फार्मेसी , एमएस और बीसीए के लिए आवेदन आठ तक

गोरखपुर : गोवि ने अपने नए पाठ्यक्रम में डीफार्म, बीफार्म, एमएस इन आर्टिफिशियल एंटीलिजेंस, बीसीए इन मशीन लर्निंग एंड डाटा साइंस और बीसीए इन इंटरनेट आफ थिंग्स के लिए प्रवेश की आवेदन तिथि बढ़ा दी है। अब आवेदन आठ सितंबर तक किया जा सकेगा। पहले यह तिथि छह सितंबर निर्धारित थी।

एनसीसी के नए कैडेट का हुआ नामांकन

गोरखपुर : गोरखपुर विश्वविद्यालय में शुक्रवार को एनसीसी के नवीन कैडेट का नामांकन हुआ। नामांकन कार्यक्रम 44वीं वाहिनी एनसीसी के कमांडिंग आफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल रमन तिवारी, सूबेदार काशीराज लिंबु की देखरेख में सम्पन्न हुआ। 96 सीटों के साप्रेक्ष 271 अभ्यर्थियों के मानक पर शारीरिक क्षमता की जांच हुई। उसके बाद प्रमाण-पत्रों का सत्यापन कर लिखित परीक्षा कराई गई। परिणाम आगामी 12 सितंबर को जारी किया जाएगा। इस दौरान विश्वविद्यालय के एनसीसी प्रभारी प्रोफेसर कैप्टन दिग्विजय मौर्य और लेफ्टिनेंट डा. अनुपम सिंह आदि मौजूद रहे।

Amar Ujala Select
Page - 04

शिखर सम्मेलन का समापन

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग में अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ एवं अमेरिकन केमिकल सोसाइटी (एसीएस) के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय शिखर सम्मेलन का शुक्रवार को समापन हो गया।

Super fast Times

बी.कॉम. (बैंकिंग एवं इन्श्योरेन्स) के प्रवेश सम्बन्धी सूचना

सुपर फास्ट टाइम्स
संवाददाता

बी०काम० (बैंकिंग एण्ड इन्श्योरेन्स) प्रथम सेमेस्टर (प्रथम वर्ष) (सत्र 2024-25) दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के अन्तर्गत बी०काम० बैंकिंग एण्ड इन्श्योरेन्स प्रथम सेमेस्टर (सत्र 2024-25) में प्रवेश निम्नलिखित कार्यक्रम के अनुसार सीट की उपलब्धता एवं वरियता क्रम के अनुसार होगा।

07:09:2024 11:00 से 01:00 अनारक्षित (समस्त संवर्ग) समस्त छात्र

07:09:2024 11:00 से 01:00 ई डब्ल्यू एस समस्त छात्र

07:09:2024 11:00 से 01:00 अन्य पिछड़ा वर्ग समस्त छात्र

07:09:2024 11:00 से 01:00 अनुसूचित जाति समस्त छात्र

07:09:2024 11:00 से 01:00 अनुसूचित जनजाति समस्त छात्र

सभी प्रवेशार्थियों से अपेक्षित है कि वह यथा कार्यक्रम अपने सभी मूल प्रमाण-पत्रो, चरित्र प्रमाण-पत्र, अद्यतन जाति प्रमाण पत्र,स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र, विशेष संवर्ग के लिए विवरणिका में निर्देशित सक्षम अधिकारी का प्रमाणपत्र तथा उनकी छायाप्रति के साथ वाणिज्य भवन में उपस्थित होकर प्रवेश ले सकते हैं।

डॉ० मनीष कुमार
समन्वयक बी०काम०
बैंकिंग एण्ड इन्श्योरेन्स